चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-10-26		

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा को बनाएं अधिक प्रभावी और व्यावहारिक: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 8 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों के लिए 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कोर्स का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हकृवि, लुवास तथा पीएयू, लुधियाना के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से सीखने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग सीखना चाहिए ताकि शिक्षा को अधिक रोचक और उपयोगी बनाया जा सके। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि तकनीक में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार की कार्यप्रणाली को भी आधुनिक बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में डॉ. योगेश जिंदल ने विषय से संबंधित अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	9.10.26	3	3

हकृवि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा और कृषि को और प्रभावी बनाने पर जोर

हिसार, 8 अक्तूबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों के लिए 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मुख्य अतिथि के रूप में कोर्स का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण में हकृवि, लुवास और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। प्रो. काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा को सरल, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आधुनिक तकनीकों का उपयोग सीखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कृषि क्षेत्र में भी तकनीक का उपयोग जरूरी हो गया है। एआई, ड्रोन, सेंसर और डेटा जैसी तकनीकों से कृषि शिक्षा एवं शोध को बेहतर बनाने के साथ नई जानकारी किसानों तक आसानी से पहुंचाई जा सकती है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि तकनीकी बदलावों के अनुरूप कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार कार्यों को आधुनिक बनाना समय की आवश्यकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9.10.26	5	1-3

एजुकेशनल टैक्नोलॉजी से शिक्षा को बनाएं अधिक प्रभावी और व्यावहारिक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 8 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों के लिए 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कोर्स का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हकृवि, लुवास तथा पीएयू, लुधियाना के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से सीखने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग सीखना चाहिए ताकि शिक्षा को अधिक रोचक और उपयोगी बनाया जा सके। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थियों को नई जानकारी और अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि वर्तमान में शिक्षा और कृषि में तकनीक का उपयोग बहुत जरूरी हो गया है। एआई, ड्रोन, सेंसर और डेटा जैसी तकनीकों से शिक्षा और कृषि को और बेहतर बनाया जा रहा है। इन तकनीकों के माध्यम से कृषि की नई जानकारी और शोध को किसानों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि तकनीक में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार की कार्यप्रणाली को भी आधुनिक बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में डॉ. योगेश जिंदल ने विषय से संबंधित अपने विचार रखे। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने पारित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए।

हकृवि में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	09.10.26	-----	----

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा को बनाएं प्रभावी : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों के लिए 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कोर्स का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हकृवि, लुवास तथा पीएयू, लुधियाना के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से सीखने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग सीखना चाहिए ताकि शिक्षा को अधिक रोचक और उपयोगी बनाया जा सके। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थियों को नई जानकारी और अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि तकनीक में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार की कार्यप्रणाली को भी आधुनिक बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में डॉ. योगेश जिंदल ने विषय से संबंधित अपने विचार रखे। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने पारित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.10.26	-----	----

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा को बनाएं अधिक प्रभावी और व्यावहारिक : प्रो. काम्बोज

हकृवि में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 9 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों के लिए 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कोर्स का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हकृवि, लुवास तथा पीएयू, लुधियाना के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से सीखने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग सीखना चाहिए ताकि शिक्षा को अधिक रोचक और उपयोगी बनाया जा सके। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थियों को नई जानकारी और अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि वर्तमान में शिक्षा और कृषि में तकनीक का उपयोग बहुत जरूरी हो गया है। एआई, ड्रोन, सेंसर और डेटा जैसी तकनीकों से शिक्षा और कृषि को और बेहतर बनाया जा रहा है। इन तकनीकों के माध्यम से कृषि की नई जानकारी और शोध को किसानों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि तकनीक में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार की कार्यप्रणाली को भी आधुनिक बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में डॉ. योगेश जिंदल ने विषय से संबंधित अपने विचार रखे। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने पारित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.10.26	-----	----

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा को और अधिक प्रभावी व व्यावहारिक बनाएं : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों के लिए 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कोर्स का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हकृवि, लुवास तथा पीएयू, लुधियाना के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से सीखने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग सीखना चाहिए ताकि शिक्षा को अधिक रोचक और उपयोगी बनाया जा सके। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थियों को नई जानकारी और अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि वर्तमान में शिक्षा और कृषि में तकनीक का उपयोग बहुत जरूरी हो गया है। एआई, ड्रोन, सेंसर और डेटा जैसी तकनीकों से शिक्षा और कृषि को और बेहतर बनाया जा रहा है। इन तकनीकों के माध्यम से कृषि की नई जानकारी और शोध को किसानों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि तकनीक में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार की कार्यप्रणाली को भी आधुनिक बनाना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में डॉ. योगेश जिंदल ने विषय से संबंधित अपने विचार रखे। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने पारित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।